संख्या–1698/सत्तर–3–2022

प्रेषक,

हरेन्द्र कुमार सिंह,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1– **कुलपति,**
समस्त राज्य विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

2– **कुलपति,**
समस्त निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

3– **निदेशक,**
उच्च शिक्षा प्रयागराज
उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3 **लखनऊ : दिनांक 25 जून, 2022**

विषयः– अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण के साथ Best Practices के सम्बन्ध में दिनांक 22.06.2022 को आहूत वर्चुअल बैठक का कार्यवृत्त के प्रेषण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण के साथ Best Practices के सम्बन्ध में दिनांक 22.06.2022 को आहूत वर्चुअल बैठक का कार्यवृत्त की प्रति संलग्न कर इस अनुरोध सहित प्रेषित कि कृपया कार्यवृत्त में उल्लिखित बिन्दुओं के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकःयथोक्त।

भवदीय,

(हरेन्द्र कुमार सिंह)
उप सचिव।

संख्या– 1698 (1)/सत्तर–3–2022–तद्‌दिनॉक–

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
2– कुलसचिव समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
3– समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
4– अपर सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद्, लखनऊ।

आज्ञा से,

(हरेन्द्र कुमार सिंह)
उप सचिव।

Nikhil G.O.

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण के साथ Best Practices विषय पर वर्चुअल बैठक दिनांक 22.06.2022 का कार्यवृत्त।

दिनांक 22.06.2022 को अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन (श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग) की अध्यक्षता में Best Practices के सम्बन्ध में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण के साथ एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया।

उक्त वर्चुअल बैठक में निम्नलिखित उपस्थित थे :–

1. कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. कुलपति, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
3. कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
4. कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया।
5. कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।
6. कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।
7. कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वद्यिालय, झाँसी।
8. कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
9. श्री मनोज कुमार, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
10. डॉ0 आर0के0 चतुर्वेदी, अपर सचिव, उ0प्र0 राज्य उच्च शिक्षा परिषद।

बैठक में स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य, प्रो0 हरे कृष्णा तथा प्रो0 वीरपाल सिंह, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के उपस्थित विद्वतजनों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

<u>श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।</u>

अपर मुख्य सचिव महोदया द्वारा विश्वविद्यालयों द्वारा NEP के कार्यान्वयन हेतु किये गये कार्यों की सराहना की गयी। अवगत कराया गया कि पूर्व में 16 इंडीकेटर जो गूगल फार्म में निर्धारित हैं, उनकी संख्या में वृद्धि की गयी है, जिसकी पूर्ण सूचना राज्य विश्वविद्यालयों से उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक माह अपडेट किये जाने की अपेक्षा की गयी। उपरोक्त समस्त बिन्दुओं पर समेकित सूचना प्रति माह विश्वविद्यालयों द्वारा तैयार कर शासन को उपलब्ध करायी जाय। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों की सूचना संबंधित क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारियों द्वारा उपलब्ध करायी जाय तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की सूचना उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व संबंधित विश्वविद्यालय का होगा।

महोदया द्वारा मा0 प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में मुख्य सचिवों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा दिये निदेश के क्रम में अवगत कराया गया कि

- उच्च शिक्षण संस्थानों की नैक एवं एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग में अच्छी ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिये प्रयास किये जाने चाहिये। इसके लिये निदेश दिये गये कि प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने स्तर पर सम्बद्ध महाविद्यालयों के नैक मूल्यांकन की अच्छी से अच्छी ग्रेडिंग प्राप्त करने हेतु उन्हें अभिप्रेरित करे, आर्थिक सहायता तथा प्रशिक्षण भी प्रदान करें।
- प्रत्येक दीक्षांत समारोह में स्कूल के कम से कम 50 बच्चों को आमंत्रित किया जाय।
- विश्वविद्यालयों को शासकीय योजनाओं के मूल्यांकन करने एवं योजनाएँ बनाने में शामिल किया जाय तथा जिला प्रशासन से इस कार्य को करने हेतु सम्पर्क स्थापित कर लिया जाय।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली पर शोध करने के लिये विश्वविद्यालयों में बल प्रदान किया जाय। भारत सरकार के IKS Cell के साथ विश्वविद्यालयों द्वारा समन्वय स्थापित किया जाय। उच्च शिक्षण संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी उपलब्ध करायी जाय।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता अभिवृद्धि एवं उसके विकास के लिये किये जा रहे सतत प्रयास की समेकित सूचना प्रति माह शासन को उपलब्ध करायी जाय। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन की अपेक्षा के अनुरूप समस्त कुलपतियों के साथ कांफ्रेन्स आयोजित किये जाने हेतु श्री राजेश चतुर्वेदी को नोडल नामित किया गया। उक्त कांफ्रेन्स हेतु कुछ प्रमुख बिन्दु/शीर्षक चिन्हित कर लिये जायं, जिसके आधार पर प्रत्येक विश्वविद्यालयों के मा0 कुलपति महोदय से 8–12 मिनट के प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध कर लिया जाय।

वर्चुअल बैठक में प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण द्वारा Best Practices के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण किया गया :–

1– लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा प्रस्तुतीकरण किये गये :–

Learning Management System (LMS)- इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने अपना एप SLATE (Strategic learning applications for transformative education) विकसित किया, जिसका कॉपीराइट भी प्राप्त हो गया है। इस लर्निंग एप के माध्यम से छात्र–छात्राओं की ऑनलाइन कक्षायें संचालित की जा रही हैं।

LUEASE (Lucknow University Electronic Access to Services of Examination) Portal- इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय के छात्रों को परीक्षा से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के प्रमाण–पत्रों यथा–अंकपत्र, अंकपत्रों में सुधार, डिग्री, माइग्रेशन, प्रोविजनल प्रमाण–पत्र इत्यादि ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवम्बर, 2021 से पोर्टल शुरू किया गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा सामुदायिक रसोई, अर्पण–अडाप्ट आ ब्रेन, आंगनबाड़ी केन्दों को सहायता तथा महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

2— <u>महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।</u>

कुलपति, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा Best Practices के अन्तर्गत दिव्यांगजन बच्चों हेतु निशुल्क विशेष शिक्षा, म्यूजिक थेरेपी सेल तथा महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसके अनुसार :—

1. Free education for Divyaang children (Gyanchand Mandit Bal Vidyalaya);

2. Music Therapy Cell and Research Centre;

3. Women empowerment through women empowerment cell and Mahila Adhyayan Kendra;

4. Mega Job fest organized by Campus Placement Cell and faculty of Student's Welfare.

The Hon'ble Vice Chancellor further shared the success story of recently organised Mega Job Fest (4-5 June, 2022) in which more than 45 companies form different parts of the country recruited more than 1100 students from more than 08 districts of Poorvanchal.

3— <u>दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर</u>

कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा बेस्ट प्रैक्टिसेज के प्रस्तुतीकरण में Zero waste Campus के बारे में चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय एक सतत्, हरित परिसर बनाकर एक आदर्श परिसर के रूप में स्थापित किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

<u>1—नेक्सट जनरेशन ग्रीन कैम्पस :</u>

1. हरित आवरण में वृद्धि।
2. प्राकृतिक परिदृश्य को बनाए रखना, भूजल संरक्षण।
3. परिसर में सौर प्रणाली के माध्यम से बिजली का उत्पादन
4. शून्य कचरा सामुदायिक रसोई/मेस/कैंटीन।
5. प्लास्टिक/डिस्पोजेबल आइटम्स/बैनरमुक्त कैम्पस।
6. ग्रीनलाइफ स्टाइल पाठ्यक्रम (अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों) और इंटर्नशिप प्रदान करना। हरित कार्यक्रम, हरित पुरस्कार समारोह।

2–मूल्य आधारित नैतिक और नैतिकता पाठ्यक्रम :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिगत विश्वविद्यालय ने विभिन्न मूल्य आधारित नैतिक और नैतिकता पाठ्यक्रम तैयार किए हैं, जो निम्नवत् हैं :–

(क) कोर्स ऑन पंडित दीनदयाल उपाध्याय।
(ख) राष्ट्र गौरव।

3–टेली–डिजिटल स्वास्थ्य पायलट परियोजना :

आउटरीच अकादमिक भागीदारी– दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, बी.एच.यू., वाराणसी और एन.आई.टी. मणिपुर के साथ तीन जिलों–गोरखपुर, वाराणसी और कामजोंग, मणिपुर के लगभग 60000 रोगियों को कवर किया जा रहा है। दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 को माननीय राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा गोरखपुर में लॉन्च किया गया था।

कार्यक्रम के तहत प्रमुख गतिविधियों में पहनने योग्य उपकरणों के साथ रोगियों की जांच, ई–संजीवनी–क्लाउड के माध्यम से स्वास्थ्य डेटा रिकार्ड को विशलेषण के लिए डॉक्टर के एक हिस्से में स्थानान्तरित करना शामिल है।

परियोजना का उद्देश्य क्लाउड पर स्वास्थ्य डेटा प्रदान करना है।

4– जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा प्रस्तुतीकरण करते हुये राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के अन्तर्गत सम्बद्ध महाविद्यालयों का सामन्जस्यपूर्ण विकास एवं परस्पर समन्वय हेतु 14 संकुलों में समायोजन, Living Legends of Ballia एवं Fundamental Duties के सम्बन्ध में विचार व्यक्त किये गये। A total of 136 college are affiliated to JNCU Ballia and are of various categories-Government funded colleges, aided colleges and self-financed college. The colleges have been enjoined under 14 Sankulas to ensure harmonious development and coordination among them, and to execute the amendments of NEP-2020. A fruitful association of these colleges ensures inculcation of social responsibility in the students of affiliated colleges, including adoption of one village for its holistic development. These Sankulas enable students of these colleges to become aware about various social schemes launched by the governments from time to time and counsel the students about various vocational prospects.

There are many legends born and brought up in the soil of Ballia who have immensely contributed to the service of the nation and humanities. The University has taken an innovative endeavour to bring 80 such living legends under the aegis of "Living Legends of Ballia". This initiative provides an exemplary podium for these legends to share their invaluable expertise and experiences with the faculty members and students of this varsity.

5— छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा प्रस्तुतीकरण करते हुये निम्नलिखित दो बिन्दुओं पर अपने विचार व्यक्त किये :—

1. विश्वविद्यालय स्थित मेडिकल लैब एवं फिजियोथेरपी लैब का उपयोग जनसामान्य हेतु।
2. विश्वविद्यालय की वर्कशाप का उपयोग सरकारी वाहनों के रख—रखाव एवं अनुरक्षण हेतु।

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभिन्न विभागों से प्राप्त स्क्रैप एवं निष्प्रयोज्य सामग्री से 20 प्रकार (चेयर, रिवोलविंग चेयर, टेबल, स्टूडेंट चेयर, वूडेन चेयर, स्टूल, डोर, ए0सी0 क्लैम्प, स्टार्टर बॉक्स, एल्यूमिनियम पार्टीशन, गेट, पार्किंग शेड, वॉटर कूलर बेस, बैनर स्टैण्ड, बेड आदि) के पुनः प्रयोज्य हेतु सामग्री का निर्माण किया जा रहा है।

स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज निरंतर समाज के लिये अपनी स्वास्थ्य सेवायें प्रदान कर रहा है। संस्थान में कार्य कर रहे विभिन्न विभाग समाज हित में अनेकानेक गतिविधियाँ संचालित करते हैं, जैसे फिजियोथिरैपी ओ.पी.डी., स्वास्थ्य केन्द्र, पैथोलॉजी लैब, पोषण परामर्श, योग प्रशिक्षण शिविर आदि। संस्थान की उपरोक्त गतिविधियों से आस—पास क्षेत्र के नागरिक जहाँ एक ओर सीधे तौर पर लाभान्वित होते हैं, वहीं दूसरी ओर उनमें अपने स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिकता आदि के प्रति जागरूकता भी उत्पन्न होती है। संस्थान की स्थापना वर्ष 2004 में

हुयी थी, तब से अब तक इस संस्थान से विभिन्न क्षेत्रों से प्रशिक्षित पेशेवरों को विकसित किया है। स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस की ओ.पी.डी. कानपुर नगर की सर्वोत्तम ओ.पी.डी. में से एक है। फिजियोथिरैपी विभाग मरीजों के उपचार एवं पुनर्वास (रिहैबिलेटेशन) हेतु अत्याधुनिक मशीनों एवं विधाओं से सुसज्जित है।

6– वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा Best Practices संबंधी निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण किया गया :–

(1) बापू बजार– बापू बजार के अन्तर्गत गरीबों की ससम्मान सहायता हेतु दिनांक 30 जनवरी, 2011 को बापू बलिदान दिवस के अवसर पर आरम्भ किया गया। वर्ष 2011 से अद्यतन कुल 60 बापू बाजार का आयोजन किया जा चुका है। इस बजार में गरीबों एवं असहाय व्यक्तियों को रूपये 01,02,05 एवं 10 प्रतीकात्मक मूल्य पर वस्त्र, कम्बल, खिलौने एवं खाद्य सामग्री आदि बेचे जाते हैं। बापू बाजार एक स्वाभिमान कोष है, जिसमें रू0 2,59,039/– जमा है।

(2) प्रेरणा कोचिंग– प्रेरणा कोचिंग की स्थापना 04 फरवरी, 2014 को की गयी, इसके अन्तर्गत ग्रामीण गरीब, असहाय कक्षा 01 से 12 तक के छात्रों को निःशुल्क कोचिंग विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्रों द्वारा प्रदान की जाती है। इस कोचिंग के संचालन हेतु आर्थिक सहयोग विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा वहन किया जाता है।

(3) **भाषा केन्द्र**– 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना के अन्तर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुये उ0प्र0 शासन द्वारा अपने पत्र संख्या–212/सत्तर–4–2020, उच्च शिक्षा अनुभाग–4, दिनांक 21 जनवरी, 2021 के द्वारा सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस भाषा केन्द्र की स्थापना विश्वविद्यालय द्वारा की गयी है, जो उत्तर प्रदेश में संचालित भाषा केन्द्रों की स्थापना, निगरानी, निरीक्षण एवं मूल्यांकन का दायित्व निभा रहा है। भाषा केन्द्र की स्थापना का मुख्य ध्येय छात्रों में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान तथा रोजगार

उन्मुख शिक्षा प्रदान करना है। इस क्रम में भाषा केन्द्र के माध्यम से पाठ्यक्रम को एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा कोर्स के रूप में ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाया जायेगा। इसमें उत्तीर्ण छात्रों को सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा की उपाधि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा प्रदान की जायेगी, जिससे कि केन्द्र/राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों और इकाइयों में राजभाषा अधिकारी, भाषा अनुवादक, भाषा सहायक एवं टंकक आदि जैसे विभिन्न पद सृजित हैं। साथ ही साथ वर्तमान वैश्वीकरण के परिदृश्य में निजी टेलीविजन, रेडियो चैनलों और स्थापित पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों के भाषा रूपान्तर आने से रोजगार के अवसर में वृद्धि हुई है। अतएव 'भाषा केन्द्र' वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा बहुभाषी विद्वान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा भी हिन्दी, संस्कृत, नेपाली एवं तमिल भाषा का संचालन किया जायेगा, जिसका विज्ञापन शीघ्र किया जाएगा, जिससे 2022–23 सत्र से पठन–पाठन शुरू हो सके। अल्प समय के स्थापना में उत्कृष्टता केन्द्र अनुवाद द्वारा तमिल के प्रसिद्ध कहानीकार कल्कि की लघु कथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया गया है, जो पुस्तकाकार के रूप में प्रकाशित हो चुका है। साथ ही अनुवाद में डिप्लोमा का पठन–पाठन भी इस वर्ष शुरू किया जा रहा है, जिसका विज्ञापन हो गया है।

भाषा केन्द्र एवं उत्कृष्टता केन्द्र अनुवाद द्वारा कौशल विकास के अंतर्गत संचालित किये जाने वाले रोजगारपरक पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत शासन की योजना के अनुसार शुरू किये जा रहे हैं।

7– <u>बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी</u>

कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी द्वारा Best Practices के बारे में प्रस्तुतीकरण किया गया :–

(1.) जल गुणवत्ता नियंत्रण एवं जल संवर्धन अभियान :– बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में भू–विज्ञान विभाग में वर्ष 2018 में ग्राउण्ड वाटर एनालिटिकल रिसर्च सेन्टर की स्थापना की गयी। इसके द्वारा झाँसी तथा आसपास के

जिलों में भू–जल के गुणवत्ता का अध्ययन किया गया। व्यापक प्रचार एवं प्रसार हेतु किसान मेला एवं किसानों की जानकारी हेतु रैली का भी आयोजन किया जाता है। इस प्रकार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय अपने ज्ञान एवं सुविधाओं को विगत 04 वर्षों से किसानों को उपलब्ध करा रहा है।

(2) क्षय रोग मुक्त बुन्देलखण्ड में विश्वविद्यालय का योगदान : माननीय कुलाधिपति महोदया के निर्देशानुसार बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और आत्मनिर्भर सत्त विकास उद्देश्य (SDG-3) एवं 2025 तक TB मुक्त भारत के एजेण्डा को पूरित करने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य, शिक्षा के लिये प्रयासरत है।

(3) मलिन–उत्थान अभियान :– बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा मलिन बस्ती सखीपुरा में बच्चों और माताओं के लिये स्वास्थ्य शिविर का आयोजन समय–समय पर किया जाता है। मलिन बस्ती के ऐसे बच्चे जिनकी पढ़ाई किन्हीं कारणों से बीच में छूट गई है, उन्हें विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उनके स्थान पर जाकर स्वास्थ्य और स्वच्छता के संबंध में जागरूक करते हैं और उन्हें पोषण एवं खेलने की सामग्री वितरित की जाती है।

8– <u>प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज</u>

कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा Best Practices के अन्तर्गत प्रस्तुतीकरण में निम्न दो बिन्दुओं पर विचार व्यक्त किये गये :–

(1) ग्रामीण महिलाओं हेतु वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम।

(2) विद्यार्थियों हेतु उद्यमिता के अवसर।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या), विश्वविद्यालय, प्रयागराज में लगभग 15 अभिनव एवं सर्वोत्तम गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इनमें से एक प्रमुख सर्वोत्तम गतिविधि ग्रामीण महिलाओं में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम है। इस साक्षरता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं में वित्तीय सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा स्वतंत्र वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाना। प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) और सेबी के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण क्षेत्र में रहने, कार्य करने वाली महिलाओं (इनमें स्कूल/कालेज की छात्राएं तथा गृहणियाँ भी शामिल हैं) हेतु कार्यशालाएं एवं परामर्श सत्र समय–समय पर आयोजित किए जाते हैं साथ ही इन ग्रामीण महिलाओं के छोटे–छोटे समूहों, वित्तीय संस्थाओं जैसे बैंक इत्यादि का भी भ्रमण कराया जाता है। इस कार्यक्रम से अन्य दूसरे गाँव की महिलाएं भी जुड़ रही हैं।

इसके साथ ही दूसरी सर्वोत्तम गतिविधि उद्यमिता के अवसर से सम्बन्धित संचालित की जा रही है, इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमी बनाने हेतु प्रेरित करना है।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय और एन0एस0आई0सी0 के संयुक्त तत्वावधान में यह गतिविधि संचालित की जा रही है। इसमें विद्यार्थियों के उद्यम हेतु व्यापार योजना का प्रस्ताव बनाने आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही उत्पादन से सम्बन्धित न्यूनतम लागत पर चल रहे उद्योगों का भी भ्रमण कराया जाता है। इस कार्यक्रम में भी विद्यार्थियों की प्रतिभागिता/लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई।

हरेन्द्र कुमार सिंह
उप सचिव।

उत्तर प्रदेश शासन
उच्च शिक्षा अनुभाग-3
संख्या-1697/सत्तर-3-2022
लखनऊ : दिनॉकः 25 जून, 2022

निम्नलिखित को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- कुलपति समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
2- निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
3- विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0शासन।
4- निदेशक, उच्च शिक्षा, उ0प्र0, प्रयागराज।
5- कुलसचिव समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
6- प्रोफेसर हरे कृष्णा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
7- प्रोफेसर वीरपाल सिंह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
8- अपर सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद्, लखनऊ।
9- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(हरेन्द्र कुमार सिंह)
उप सचिव।